हिम्मत और ज़िंदगी

शब्दार्थ

कंठ = गला
ख़ौफ़ = डर
उपवास = व्रत, भोजन का त्याग
लाक्षा-गृह = लाख का बना घर
बेख़ौफ़ = निडर
अंतराल = बीच में
परास्त = पराजित

मद्धिम = हलका, मंद
जनमत = लोगों की राय
जोख़िम = हानि, अनिष्ट, घाटे की संभावना, खतरा, संकट
अंततः = अंत में, आखिरकार
मौक्तिक-कोष = मोतियों का खज़ाना

अभ्यास – (क) विषय-बोध

प्रश्न 1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक या दो पंक्तियों में दीजिए :-

प्रश्न 1. सुख का स्वाद किन लोगों को अधिक प्राप्त है?

उत्तर - जो सुखों की परवाह किये बिना उनका मूल्य पहले चुकाते हैं और उनके मज़े बाद में लेते हैं, उन लोगों को सुख का स्वाद अधिक प्राप्त होता है।

प्रश्न 2. लेखक के अनुसार किन लोगों के लिए आराम ही मौत है?

उत्तर- जिन लोगों को आराम आसानी से मिल जाता है, उन लोगों के लिए आराम ही मौत है।

प्रश्न 3. अकबर ने कितने वर्ष की उम्र में अपने पिता के दुश्मन को हराया था?

उत्तर- अकबर ने तेरह वर्ष की उम्र में अपने पिता के दुश्मन को हराया था।

प्रश्न 4. महाभारत का युद्ध किन-किन के मध्य हुआ था?

उत्तर- महाभारत का युद्ध कौरवों और पांडवों के मध्य हुआ था।

प्रश्न 5. महाभारत के युद्ध में पांडवों की जीत का क्या कारण था?

उत्तर- महाभारत के युद्ध में पांडवों की जीत का कारण यह था कि उन्होंने लाक्षागृह की मुसीबत झेली थी, वनवास के जोख़िम को पार किया था।

प्रश्न 6- साहसी व्यक्ति की पहली पहचान क्या है?

उत्तर-साहसी मनुष्य की पहली पहचान यह है कि वह इस बात की चिंता नहीं करता कि तमाशा देखने वाले लोग उसके बारे में क्या सोच रहे हैं।

प्रश्न 7-लेखक के अनुसार साधारण जीव कौन-से लोग हैं?

उत्तर- लेखक के अनुसार जो लोग अड़ोस-पड़ोस को देखकर चलते हैं, वो साधारण जीव होते हैं।

प्रश्न 8-लेखक ने किन्हें क्राँति करने वाले लोग कहा हैं?

उत्तर- लेखक के अनुसार जो लोग अपने उद्देश्य की तुलना न तो पड़ोसी के उद्देश्य से करते हैं और न अपनी चाल को पड़ोस की चाल देखकर मद्धिम बनाते हैं, वो क्राँति करने वाले लोग होते हैं।

2. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर तीन या चार पंक्तियों में दीजिए -

प्रश्न 1- लेखक के अनुसार नींद तथा भोजन का वास्तविक आनंद किन्हें मिलता है?

त्तर- लेखक के अनुसार नींद का **वास्तविक** आनंद वह मनुष्य लेता है, जो दिनभर धूप में थक कर लौटा हो तथा भोजन का असली स्वाद उसी मनुष्य को **मिलता** है जो कुछ दिन बिना खाए भी रह सकता है|

प्रश्न 2-जीवन में असफलताएं मिलने पर भी साहसी मनुष्य क्या करता है?

उत्तर- जीवन में असफलताएं मिलने पर भी साहसी मनुष्य के कदम डगमगाते नहीं। वह उन असफलताओं का मनन करता है और सफल न होने का कारण ढूँढ़कर पुनः आगे बढ़ने का प्रयास करता है।

प्रश्न 3- ज़िंदगी में जोख़िम से बचने के कारण क्या हानि होती है?

उत्तर- ज़िंदगी को ठीक से जीना हमेशा ही जोख़िम झेलना है और जो आदमी सकुशल जीने के लिए जोख़िम को हर जगह घेरा डालता है, वह अंततः अपने ही घेरे के बीच कैद हो जाता है और उसे ज़िंदगी का कोई मज़ा नहीं मिल पता, क्योंकि जोख़िम से बचने की कोशिश में, असल में, उसने ज़िंदगी को ही आने से रोक रखा है।

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर छः या सात पंक्तियों में दीजिये-

प्रश्न 1- साहसी व्यक्ति के कोई पाँच गुण लिखिए।

उत्तर- (1) साहसी व्यक्ति विपत्ति के आने पर घबराता नहीं बल्कि साहस से उस विपत्ति को हराने के लिए आगे आता है।

(2) वह हमेशा असफलताओं से सीखकर दोबारा सफल होने का प्रयास करता है।

(3) साहसी व्यक्ति इस बात की चिंता नहीं करता कि तमाशा देखने वाले लोग उसके बारे में क्या सोच रहे हैं।

(4) साहसी व्यक्ति न तो अपने उद्देश्य की तुलना पड़ोसी के उद्देश्य से करता है और न ही अपनी चाल को पड़ोस की चाल को देखकर मद्धिम बनाता है।

(5) साहसी व्यक्ति हमेशा यह जानकर चलता है कि ज़िंदगी कभी भी खत्म न होने वाली चीज़ है।

(ख) भाषा बोध

1 निम्नलिखित तत्सम शब्दों के तद्भव रूप लिखिए।

तत्सम :- तत् + सम के मेल से बना है। 'तत्' का अर्थ है- उसके तथा 'सम' का अर्थ है समान अर्थात् ज्यों का त्यों। जिन शब्दों को संस्कृत से बिना किसी परिवर्तन से ले लिया जाता है, उन्हें तत्सम शब्द कहते हैं।

तद्भव : संस्कृत से उत्पन्न शब्द जो सीधे न आकर पाली, प्राकृत और अपभ्रंश से होकर हिन्दी में आये हैं। जैसे- अग्नि से आग, दुग्ध से दूध तथा मयूर से मोर।

तत्सम	तद्भव	तत्सम	तद्भव
पुष्प	फूल	रात्रि	रात
ओष्ठ	होंठ	गृह	घर
मृत्यु	मौत	लाक्षा	लाख
हस्त	हाथ	कर्म	काम

मुहावरे :-

दाँव पर लगाना (कोई वस्तु बाज़ी पर लगाना)

नरेंद्र ने सफलता पाने के किये अपना जीवन दाँव पर लगा दिया।

पाँव बढ़ाना (चाल तेज़ करना,जल्दी-जल्दी चलना, आगे बढ़ना)

साहसी व्यक्ति हमेशा ही अपना पाँव आगे बढ़ाता है, उसकी चाल कभी भी मद्धिम नहीं पड़ती।

3.निम्नलिखित शब्दों को शुद्ध करके लिखिए-

अशुद्ध	शुद्ध	अशुद्ध	शुद्ध
रेगीस्तान	रेगिस्तान	सवाद	स्वाद
सन्तुश्ट	संतुष्ट	खशबुदार	खुशबूदार

आतमा	आत्मा	संजम	संयम
ज़रुरत	ज़रूरत	चुनोती	चुनौती
अवाज	आवाज़	निरझरी	निर्झरी

निम्नलिखित वाक्यों में सही विराम चिह्न लगाइए-

(i) झुंड में चरना यह भैंस और भेड़ का काम है

झुंड में चरना, यह भैंस और भेड़ का काम है।

(ii)यह आवाज़ उसे बराबर कहती रहती है तुम साहस नहीं दिखा सके तुम कायर की तरह भाग खड़े हुए

यह आवाज़ उसे बराबर कहती रहती है। तुम साहस नहीं दिखा सके। तुम कायर की तरह भाग खड़े हुए।

(iii) अरे ओ जीवन के साधको तुम निचली डाल का फल तोड़कर लौटे जा रहे हो तो फिर फुनगी का वह लाल लाल आम किसके वास्ते है

अरे ओ जीवन के साधको! तुम निचली डाल का फल तोड़कर लौटे जा रहे हो, तो फिर फुनगी का वह लाल आम किसके वास्ते है।

(ग) रचनात्मक अभिव्यक्ति

1"बड़ी चीजें बड़े संकटों में विकास पाती हैं। बड़ी हस्तियाँ बड़ी मुसीबतों में पल कर दुनिया पर कब्जा करती हैं।" पाठ में आई इन पंक्तियों के आधार पर किसी महापुरुष, विद्वान्, आविष्कारक, योद्धा आदि में से किसी एक व्यक्तित्व पर अपने विचार लिखें जिसने बड़ी मुसीबतों का सामना करते हुए शीर्ष पर पहुँचकर नाम कमाया हो।

अर्जुन एक महान् योद्धा था। उसकी माता का नाम कुंती था। यह पाँच पांडवों में सबसे श्रेष्ठ धनुषधारी माना जाता है। इसने अपने भाइयों के साथ लाक्षागृह की आग को सहन किया।

कौरवों द्वारा दिया अपमान व वनवास झेला और अंत तक अपनी हार नहीं मानी। अंततः महाभारत के युद्ध में अर्जुन की ही विजय हुई।

2."आदमी के अन्य सारे गुण उसके हिम्मती होने से ही पैदा होते हैं।" आप लेखक के इस विचार से कहाँ तक सहमत हैं ? स्पष्ट करें।

मैं लेखक के इस विचार से सहमत हूँ कि हिम्मत सभी गुणों से श्रेष्ठ है क्योंकि (हिम्मती) साहसी आदमी में अन्य सभी गुण अपने आप ही आ जाते हैं। साहसी आदमी ही कठिन परिश्रम कर सकता है। वही जीवन की बाधाओं का सामना कर सकता है व किसी भी बाधा और संकट से नहीं घबराता। वह कठिनाइयों का हँसते-हँसते मुकाबला करता हुआ सदा अपनी दृष्टि अपने लक्ष्य की तरफ रखता है।

****

शिक्षा विभाग, पंजाब

(मार्गदर्शक:- **डॉ. सुनील बहल**, असिस्टेंट डायरेक्टर एस.सी.ई.आर.टी. पंजाब)

तैयार कर्ता:- राजन शर्मा, जालंधर व सुमन सहगल, जालंधर **शोधक:-** राजन, अमृतसर